

दैनिक भास्कर

जय

20% निजी विवि. ने चांसलर-वीसी शब्द खत्म नहीं किए, अब कार्रवाई की तैयारी

80% निजी विश्वविद्यालय चांसलर-वीसी शब्द को खत्म करके चेयरमैन या प्रेसिडेंट कर चुके हैं

एजुकेशन रिपोर्टर | जयपुर

यूजीसी और हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के निर्देश पर प्रदेश में करीब 80 प्रतिशत निजी विश्वविद्यालयों ने चांसलर और वाइस चांसलर जैसे शब्द विश्वविद्यालय से खत्म कर दिए हैं। इनकी जगह चेयरमैन और प्रेसिडेंट के नाम रखे गए हैं। उधर जिन 20 प्रतिशत निजी विश्वविद्यालयों ने ऐसा नहीं किया है, उन्हें उच्च शिक्षा विभाग पत्र जारी करके जवाब तलब कर रहा है। प्रदेश में 46 में से करीब 36 निजी विश्वविद्यालयों ने चांसलर और वाइस चांसलर नाम के शब्द खत्म किए हैं।

दरअसल पिछले हफ्ते उच्च शिक्षा विभाग और प्राइवेट विश्वविद्यालयों के बीच हुई बैठक

निजी विवि. से जुड़ी शिकायतों के समाधान की टाइम लाइन खत्म, अब एक्शन

सीएम पोर्टल पर प्राइवेट विश्वविद्यालयों के खिलाफ शिकायतों के समाधान की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी जो अब खत्म हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग अब इसकी समीक्षा करके कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उधर सभी निजी विश्वविद्यालय आरटीआई के दायरे में हैं लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालयों ने लोकसूचना अधिकारी की जानकारी वेबसाइट पर नहीं दे रखी हैं। इस संबंध में भी विभागीय स्तर पर समीक्षा की जा रही है और विश्वविद्यालयों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

में इस संबंध में निजी विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को दिशा- निर्देश दिए गए थे कि चांसलर और वाइस चांसलर जैसे पदनाम तत्काल खत्म करें। इनकी जगह चेयरमैन या प्रेसिडेंट का प्रयोग करें। यूजीसी और राजभवन के निर्देश है कि निजी विश्वविद्यालय इस तरह के नाम प्रयोग नहीं कर सकते हैं। इस वार्ता के बाद विश्वविद्यालयों ने

इंटरनल और एक्सटरनल कागजों के अलावा वेबसाइट पर भी पदनामों का परिवर्तन करना शुरू किया था। हालांकि कुछ विश्वविद्यालय इस वार्ता से पहले ही इस तरह का बदलाव कर चुके थे। उधर उच्च शिक्षा विभाग के अफसरों का कहना है कि अगस्त के अंत तक सभी विश्वविद्यालय ऐसा कर लेंगे।